केंद्र का लक्ष्य गेहूँ खरीद में सात गुना बढ़ोतरी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र ने **उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार** जैसे गैर-पारंपरिक राज्यों से गेहूँ की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि करने की योजना की घोषणा की है तथा वर्ष 2024-25 में इस खरीद को सात गुना बढ़ाकर 50 लाख टन करने का लक्ष्य रखा है।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार ने वर्ष 2023-24 के दौरान केंद्रीय रिज़र्व में केवल 6.7 लाख टन का योगदान दिया।
- केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने वर्ष 2024-25 के लिये निर्धारित कुल गेहूँ खरीद लक्ष्य 310 लाख टन का 16% खरीदने का निर्णय लिया है।
- **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** पर गेहूँ की खरीद आम तौर पर केंद्र की नोडल एजेंसी **भारतीय खाद्य निगम (FCI)** और राज्य एजेंसियों द्वारा की जाती है।
- **नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NAFED)** और **नेशनल को-ऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NCCF)** को भी वर्ष 2024 में 5-5 लाख के खरीद लक्ष्य में शामिल किया गया है।
  - वर्ष 2024 के लिये गेहूँ का MSP 2,275 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है।
- सूत्रों के अनुसार, गैर-पारंपरिक राज्यों से गेहूँ खरीद से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत गेहूँ का आवंटन बहाल करने में मदद मिलेगी।
- **गैर-पारंपरिक राज्यों में गेहूँ** खरीद को मज़बूत करने के लिये उठाए गए कदम:
  - खरीद विंडो को **मार्च के बजाय अप्रैल तक बढ़ा दिया गया** है और खरीद से संबंधित प्रश्नों के समाधान के लिये एक समर्पित किसान हेल्पलाइन स्थापित की गई है।
  - सरकार ने 48 घंटों के भीतर **किसानों के बैंक खातों में MSP का हस्तांतरण सुनिश्चित करने,** किसानों के लिये खरीद के आकस्मिक बोझ को सुव्यवस्थित करने, बैंक खातों के साथ **आधार एकीकरण** जैसे **बैंकिंग से संबंधित मुद्दों को** सुचारु करने का निर्णय लिया है।
  - सरकार ने उत्पादन हॉटस्पॉट को लक्षित करते हुए अधिक खरीद केंद्र भी खोले हैं,**मोबाइल खरीद केंद्र स्थापित किये हैं और स्वयं सहायता समूहों, पंचायतों, किसान उत्पादक संगठनों** का लाभ उठाने का निर्णय लिया है।
  - रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिये दिल्ली में FCI मुख्यालय में एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।
- खाद्य मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष अब तक **उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार** से छह लाख टन गेहूँ खरीदा जा चुका है
- सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिये **मई 2022 से गेहूँ निर्यात पर प्रतिबंध** लगा दिया है।
- कृषि मंत्रालय के अनुसार, गेहूँ का उत्पादन वर्ष 2023-24 के दौरान 112 मिलियन टन होने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2022 में यह 110 मिलियन टन था।

भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (NAFED)

- यह भारत में **कृषि उपज के विपणन सहकारी समितियों का एक शीर्ष संगठन है**।
- इसकी स्थापना **2 अक्तूबर 1958** को हुई थी और यह बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत है।
- NAFED अब भारत में कृषि उत्पादों की सबसे बड़ी खरीद और विपणन एजेंसियों में से एक है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/centre-aims-7-fold-jump-in-wheat-procurement